1

707

Drishti Mentorship Programme (Mains)-2024

Essay

Name of Candidate:	AJAY KUMR	Subject/Code:	Essay
UPSC Roll No:	0835847	Date:	10/08/2024
Drishti Id:		E-mail Id:	
Centre:	M.N.707	Medium:	Hindi

Test Code:

Time allowed: Three Hours

Maximum Marks: 250

(To be filled by Evaluator only)

Section	(Essay Topic No.)	Marks Obtained
A		
B		
Total		

Overall Feedback

INSTRUCTIONS

कृपया प्रश्नों का उत्तर देने से पहले निम्नलिखित निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें:

- प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबन्ध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।
- प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।
- प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णत: काट दीजिए।

Please read each of the following instruction carefully before attempting questions:

- The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.
- Word limit, as specified, should be adhered to.
- Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

For Student Only

Time Taken	Start Time: End Time:	Student Signature	
Mode of Examination	Online ☐ Offline ☐		

For Office Use Only

Evaluators Code	Evaluator Sign	Evaluation Date	Reviewers Code	Reviewers Sign

Feedback				
Sr. No	**मापदण्ड/Parameters**	**Max. Marks**	**Section-A (Essay-1)**	**Section-B (Essay-2)**
1.	**परिचय:** विषय की स्पष्टता और सुसंगति। **Introduction:** Clarity of theme and Coherence	10		
2.	**विषय वस्तु:** प्रासंगिकता, विश्लेषण की गहराई और उदाहरणों/साक्ष्यों का उपयोग। **Content:** Relevance, depth of analysis, and use of examples/evidence.	25		
3.	**संरचना और संगठन:** तार्किक प्रवाह, पैराग्राफ सरेखण और विचारों की सुसंगतता। **Structure and Organization:** Logical flow, Paragraph alignment and Coherence of ideas.	20		
4.	**प्रासंगिकता:** विषय से विचलन की अनुपस्थिति, तर्क और पुष्टि/प्रमाणीकरण के बीच संतुलन **Relevance:** Absence of Deviation from Topic, Balance between argument and substantiation.	20		
5.	**भाषा और अभिव्यक्ति:** स्पष्टता, व्याकरण, वाक्यविन्यास, शब्दावली और अभिव्यक्ति **Language and Expression:** Clarity, Grammar, Syntax, Vocabulary and Articulation	20		
6.	**निष्कर्ष:** तर्कों और निष्कर्ष का प्रभावी सारांश। **Conclusion:** Effective summary of arguments and conclusion.	10		
7.	**मौलिकता और रचनात्मकता:** विचार और रचनात्मक अभिव्यक्ति में नवीनता। **Originality and Creativity:** Innovation in thought and creative expression.	20		
	कुल: Total:	125		

*** UPSC Requirement for Essay Paper:**

*Candidates may be required to write essays on multiple topics. They will be expected to keep **closely to the subject** of the essay to **arrange their ideas in orderly fashion** and to **write concisely.** Credit will be given for **effective and exact expression.***

***निबंध पेपर के लिए यूपीएससी की अपेक्षा:**

*उम्मीदवार को एक विनिर्दिष्ट विषय पर निबंध लिखना होगा। विषयों के विकल्प दिये जायेंगे। उनसे आशा की जाती है कि अपने विचारों को निबंध के **विषय के निकट** रखते हुए **क्रमबद्ध** करें तथा **संक्षेप** में लिखें। **प्रभावशाली एवं सटीक अभिव्यक्तियों** के लिये श्रेय दिया जायेगा।*

Copyright – Drishti The Vision Foundation

निम्न खण्ड A व B प्रत्येक से एक विषय चुनकर दो निबन्ध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों का हो :

Write two essays, choosing one topic from each of the following Sections A and B, in about 1000-1200 words each: (125 × 2 = 250)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

खंड-A/SECTION-A

Topic:

त्रासदी की पराकाष्ठा का आशय भ्रष्ट लोगों द्वारा किया गया अत्याचार एवं क्रूरता नहीं है बल्कि अच्छे लोगों के द्वारा इस प्रकार के कार्यों पर मौन रहना है।

पिछले वर्ष इन्हीं दिनों राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की एक घटना का वीडियो वायरल हुआ। इस वीडियो में मिथ्या प्रेम के आवेश में एक युवक एक युवती को चाकुओं से गोद रहा होता है। आस-पास से लोग गुजर रहे होते हैं,

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

परंतु कोई भी उस लड़की को बचाने या लड़के को रोकने का प्रयास नहीं करता है। इस झकझोर देने वाली घटना पर पूरे देश में रोष उत्पन्न होता है। परंतु उस लड़के से ज्यादा लोगों का गुस्सा उन लोगों पर फूटा जो मूकदर्शक बन कर इस घटना को घटित होते हुए देख रहे थे।

प्रस्तुत घटना ने हमें यह विचारने पर मजबूर कर दिया की क्या इंसानियत वास्तव में इस संसार से खत्म हो चुकी है। क्या इंसान अपने स्वार्थ में इतना स्वार्थी हो चुका है कि उसे खुद के सिवाय आस पास क्या घटित हो रहा है, उसका इस

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

पर कोई असर नहीं होता? समाज में दिनोंदिन बढ़ते अपराध, घटनाएं, नए-नए संकट ऐसे ही लोगों के अमानवीय व्यवहार का परिणाम होते हैं जो अपराध को नजरअंदाज कर के उसे बढ़ाने का काम करते हैं। इसी पर राष्ट्रीय आंदोलन के वीर पुरुष भगत सिंह ने लिखा था, "समाज में बुराई इसलिए नहीं बढ़ रही है कि बुरे लोग बढ़ रहे हैं बल्कि इसलिए बढ़ रही है कि बुराई को सहने वाले लोग बढ़ रहे हैं।"

विषय में आगे बढ़ते हुए सर्वप्रथम यह विचारने की जरूरत है कि ऐसा क्यों होता है कि सबसे

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

भ्रष्ट कृत्यों पर मौन रहते हैं?

ऐसे सोच और लोगों के व्यक्तिगत स्वार्थ और भय से जोड़ सकते हैं। लेकिन भय से भी ऐसी घटनाओं का होना ज्यादा प्रासंगिक लगता है। हमारी कानून व्यवस्था इतनी जटिल है कि कोई भी ऐसे पचड़े में नहीं पड़ना चाहता। कुछ समय पहले ऐसी भी घटनाएं देखी जाती थी जब लोग किसी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की मदद करने से भी डरते थे कि कहीं पुलिस उन्हीं पर न कारवाई करने लगे। परंतु यह भय शर्मसार कर देने वाला है। भय से मुक्ति समाज की भलाई के लिए आवश्यक है।

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा था, "भय मृत्यु है साहस

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

जीवन है। हमें यह समझना चाहिए कि अच्छे लोगों के मौन के कारण किस तरह के नुकसान उठाने पड़ते हैं। इतिहास में हम देखते हैं कि किस प्रकार ब्रिटिश काल में अंग्रेजों द्वारा गरीब किसानों, आदिवासियों का शोषण किया गया, परन्तु उचित तौर पर अच्छे लोगों, शिक्षित वर्गों ने उनकी आवाज नहीं उठाई, धीरे-धीरे इस प्रकार अधर्म की चेष्टा बढ़ने लगती है, जब अंग्रेजों ने इन उच्च वर्गीय जमींदारों, शिक्षितों के भी अधिकारों पर प्रहार करना शुरू किया तो इन लोगों में भी जागृति आई।

ठीक इसी प्रकार औद्योगिक क्रांति के बुरे परिणामों का असर जब गरीब, विकासशील और राष्ट्रों पर

641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
drishti
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बसे देशों पर दिखा तो शायद ही विकसित देश उन्हें बचाने के लिए प्रयासरत दिखे परंतु जब यूरोप में आर्कटिक पिघलने से बुरे प्रभाव सामने आए, कैलिफोर्निया में हर वर्ष आग लगने लगी है विकसित देश प्रकृति बचाने का ज्ञान पूरे विश्व को देने लगे।

इसी प्रकार हम देख सकते है कि गलत घटनाओं पर आवाज न उठाना अंततः सभी के लिए पीड़ादायी होता है। मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने कहा था, " पीड़ित को कष्ट देने वाले के जुल्म से ज्यादा समाज के लोगों की चुप्पी से ज्यादा पीड़ा होती है। परंतु इसमें भी बड़ी बात यह है कि

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

यह चुप्पी विश्वासघात करती है" इसलिए बुराई के खिलाफ आवाज उठाना बहुत जरूरी है क्योंकि यह बुराई कभी भी किसी को भी अपना शिकार बना सकती है। उस वक्त शान्त हमारा हर वक्त का मौन चुभेगा।

यहाँ हमें कुछ ऐसी उदाहरणों को देखना चाहिए जिन्होंने गलत के खिलाफ आवाज उठाई और समाज को बदलने का कार्य किया। समाज में 6 ठी सदी ई० पू० जब पाप, आडंबर, भय और कर्मकांडों ने लोगों का जीना बेहाल कर रखा था उस वक्त महात्मा बुद्ध जी ने इस धरती को एक नया मार्ग दिखलाने का कार्य किया। संसार को सत्य, अहिंसा के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

मध्यम मार्ग की अवधारणा देकर जीवन को सरल बनाने का प्रयास किया। बुद्ध ने कहा था, "एक क्षण एक दिन को बदल सकता है, एक दिन एक जीवन को बदल सकता है और एक जीवन पूरे संसार को बदल सकता है।"

यहां पर महात्मा गांधी का उदाहरण भी बहुत प्रासंगिक है। वे विश्व में फैले साम्राज्य को अपनी सादगी व पुरजोर तरीके से आवाज उठाने की कला से झकझोर दिया। वहीं वर्तमान काल पाकिस्तान के युसुफजई कबीले की मलाला को कौन भूल सकता है। बच्चियों की शिक्षा के लिए वह कट्टरपंथी तालिबान से अकेली भिड़ गई,

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

और समाज को प्रेरणा देने का कार्य किया कि महिला शिक्षा इस संसार की बेहतरी के लिए कितनी आवश्यक है। मलाला युसुफजई अक्सर कहती है, " अगर कोई भी आवाज नहीं उठाएगा तो कुछ भी नहीं बदलेगा।" इसलिए आवाज उठाना बहुत जरूरी है।

बढ़ती ग्लोबल वार्मिंग के खतरों को भांप कर व प्रकृति में भी जीवन को जान कर सुंदरलाल बहुगुणा, मेधा पाटकर जैसे पर्यावरण प्रेमी आगे हुए जिन्होंने इंसान के लोभ के खिलाफ आवाज उठाई व भविष्य की त्रासदियों को रोकने में भूमिका निभाई। ऐसे प्रयासों को अगले चरणों तक ले जाने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)
Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

की आवश्यकता है ताकि भविष्य की पीढ़िया भी सतत वृद्धी का लाभ ले पाए।

परंतु अभी भी बहुत से क्षेत्र हैं जहां आवाज उठाने की आवश्यकता है। दो वर्षों से यूक्रेन व रूस वहीं एक वर्ष से मध्य पूर्व में फिलीस्तीन युद्ध में लोग हताहत हो रहे हैं। कितने दुख व शर्म की बात है कि हर दिन होने वाली बच्चों व अन्य लोगों की हत्या पर युद्ध को महाशक्ति कहने वाले लोग स्वयं को असहाय समझ रहे हैं।

ठीक उसी प्रकार समाज में जाति व धर्म के नाम पर सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने वाले लोगों

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

के खिलाफ भी आवाज उठाने की आवश्यकता है। इससे न केवल हमारी सामाजिक पूंजी को लाभ होगा बल्कि पूरे राष्ट्र में शांति की स्थापना भी हो सकेगी।

एक इंसान के तौर पर हमें खुद भी स्वयं की असमानता, बुराई व गलत कार्यों के खिलाफ आवाज उठाने की आवश्यकता है। हमें हमारे व्यवहार में राष्ट्र की ओर उन्मुख व सामाजिक भलाई करने वाले गुणों को विकसित करने की आवश्यकता है।

पृथ्वी के केंद्र में फिलहाल इंसान ही सबसे विचारवान जीव है, जो इस धरती के अच्छे या बुरे भविष्य को दिशा देने का

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

काम करेगा। एक इंसान के तौर पर हमें मानवाधिकारों का हितैषी, दमित लोगों के प्रति करुणा का भाव व प्रकृति के प्रति प्रेम का भाव विकसित करने की आवश्यकता है।

इस कड़ी में हमें अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। हमारे रास्ते में आने वाली बाधाएं हमारे लिए रुकावटें नहीं बननी चाहिए बल्कि इन्हीं बाधाओं को अवसर में बदलने का हुनर हमारे अंदर होना चाहिए। जब एक मजबूत इंसान के तौर पर हम स्वयं को करुणामयी व्यक्तित्व के रूप में विकसित कर लेंगे तो समाज की गलत

Copyright – Drishti The Vision Foundation

त्रासदियों यथा दिल्ली की घटना, व अन्य अपराधों के खिलाफ आवाज उठाने में सक्षम हो पाएंगे। अतः हमें आंतरिक व बाहरी कठिनाईयों से पार पाते हुए स्वयं के गौरवमयी विकास के पथ पर अग्रसर होना चाहिए।

रण कब तक टाला जाए,
द्वंद्व कब तक पाला जाए,
तू भी है राणा का वंशज,
फेंक जहाँ तक भाला जाए।

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-1

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

खंड-B/SECTION-B

Topic:

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आरंभ किसी कार्य का सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू होता है।

"नदी के किनारे खड़े होकर केवल पानी को निहारने से हम कभी नदी पार नहीं कर सकते।"

इस पंक्ति से हमें किसी भी कार्य को करने का हमें संपूर्ण सार प्राप्त होता है। हम जीवन में किसी भी लक्ष्य को हासिल करना चाहते हैं तो मात्र लक्ष्य के बारे में सोच कर, योजनाएं बना कर लक्ष्य को हासिल नहीं कर सकते हैं। जिस प्रकार नदी को पार करने के लिए हमें

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

पानी में उतरना होगा वहीं लक्ष्य को हासिल करने के लिए भी हमें शुरुआत करनी होगी। हमें हमारे अंदर के भय से मुक्ति हासिल करनी होगी और आगे बढ़ने की शुरुआत करनी होगी। दूर बैठकर अगर हम मात्र लक्ष्य को ही देखते रहेंगे तो जिस प्रकार स्थिर जल खराब हो जाता है उसी प्रकार हम भी बेकार हो जाएंगे। इसलिए किसी भी कार्य को आगे बढ़ाने में शुरुआत करना सबसे महत्त्वपूर्ण पहलू होता है।

विषय को गहराई से समझते हुए कुछ दूसरे उदाहरणों को देखे तो कई ऐसी सरकारी योजनाएं घोषित होती हैं, परंतु आरंभ न किए जाने के कारण

Copyright – Drishti The Vision Foundation

कागजों में ही सिमट कर रह जाती है। इसका परिणाम यह होता है कि कल्याणकारी राज्य के लक्ष्य को हासिल करने से हम चूक जाते हैं।

यहाँ पर विचार का एक पहलू यह भी है कि हम आरंभ करने से क्यों डरते हैं। निजी जीवन में देखें तो हमारे अंदर के भाव कि यह कार्य सही दिशा में जाएगा या नहीं, अच्छा होगा या बुरा, आदि गलत विचारों को अपने दिमाग में लाकर हम पूरी योजना को ही त्याग देते हैं।

परंतु सोचने की बात तो यह है कि अगर शुरुआत ही न की तो हम युद्ध शुरू करने से पहले ही पराजित हो गए। इस विषय में हमें सकारात्मक

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

सोच के विकास की आवश्यकता है। इसका सबसे उत्तम उदाहरण निम्न पंक्तियों में प्राप्त होता है-

"क्यों डरें जिंदगी में की क्या होगा,
कुछ न होगा तजुर्बा होगा।"

इसलिए शुरुआत करना महत्वपूर्ण कड़ी है। परिणाम तो हमें समय के अनुसार मिलते ही जाएंगे।

जीवन में आगे बढ़ते हुए यह भी महत्वपूर्ण है कि केवल शुरुआत करना ही काफी नहीं है। ये तो मात्र एक जरूरी कड़ी है। एक बार किसी भी कार्य को करने की शुरुआत के बाद कई अन्य पहलू हैं जो हमें मंजिल तक पहुँचाने में भूमिका निभाते हैं। सबसे जरूरी

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

होता है निरंतर कार्य की प्रगति पर रखना। कार्य को करते वक्त हमारे सामने अनेक रुकावटें आती हैं। मेहनत, जज्बा, धैर्य आदि गुणों से निरंतर हमें लक्ष्य की ओर बढ़ना होता है।

कार्यों में कई बार बड़ी रुकावटें भी आती हैं जो इंसान को अंदर से झकझोर देने का कार्य करती हैं, परंतु लक्ष्य पर अडिग रहते हुए निरंतर आगे बढ़ते रहना ही सफलता की गारंटी सुनिश्चित करता है। जिस प्रकार पूर्व ब्रिटिश प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल का कहना है- सफलता कोई अंतिम जीत नहीं होती और असफलता कोई ~~अंतिम~~ हार नहीं होती, निरंतर प्रयास करते रहना ही मायने

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

मानने रखता हूँ।

आजादी के वक्त हमारा राष्ट्र गरीबी में जकड़ा, वर्षों के शोषण से टूट चुका था। पश्चिम को भी हमारे राष्ट्र विकास की कोई उम्मीद भी ना थी। परंतु उस वक्त शून्य से ऊपर उठते हुए प्रधानमंत्री नेहरू जी ने राष्ट्र को लोकतांत्रिक और औद्योगिक समाजवाद का रास्ता दिखाते हुए विकास के पथ पर अग्रसर किया।

नई आजादी के साथ ही भारत को चीन व पाकिस्तान से युद्धों का सामना करना पड़ा, भूखमरी की कगार पर राष्ट्र को लाल बहादुर शास्त्री जी ने हरित क्रांति के साथ जय जवान-जय किसान का नारा देते हुए

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision | d

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

आगे बढ़ाना इसी का परिणाम है कि आज हम खाद्य सुरक्षा के साथ सरप्लस उत्पादक, विश्व की अग्रणी सैन्य शक्ति और पांचवें नंबर की मजबूत अर्थव्यवस्था हैं।

एक बहुत ही सुंदर उदाहरण पानीपत जिले के खंडरा गांव के लड़के का भी है। बचपन में 15 वर्ष की आयु में 70 kg. वजन होने के कारण जिम व खेलने की शुरूआत की। परंतु अपनी मजबूत इच्छाशक्ति व मेहनत के बल पर वही लड़का ओलंपिक चैंपियन बनता है, और नीरज चोपड़ा के नाम से प्रसिद्ध होता है।

इसी प्रकार हम 1960 के

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

दशक में भारत की वैज्ञानिक प्रगति की शुरुआत का उदाहरण ले सकते हैं। पहली बार उपग्रह लांच करने के लिए इसरो के द्वारा बैलगाड़ी व साईकिल का प्रयोग किया गया, परंतु अपने निरंतर प्रयासों व बाधाओं से पार पाते हुए आज यही इसरो पूरे विश्व में अपना परचम लहरा रही है। मंगल मिशन, चंद्रयान के तीन मिशन के बाद सूर्य पर आदित्य L-1 अनुकरणीय उदाहरण है।

इस तरह हम समझ सकते हैं कि शुरुआत करना कितना महत्वपूर्ण कड़ी है, परंतु उस निरंतरता को बनाए रखना उससे भी ज्यादा महत्वपूर्ण है।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

शुरुआत करने के साथ हमें आने वाले कष्टों, संघर्षों के लिए भी तैयार रहना जरूरी है। इन संघर्षों को कवि ने कुछ इस तरह वर्णित किया है–

"मैं उस माटी का वृक्ष नहीं जिसे नदियों ने सींचा है,
बंजर माटी में पलकर मृत्यु से जीवन खींचा है।"

इस तरह हमें अन्य और क्षेत्रों में भी शुरुआत करनी चाहिए। निजी जीवन में आने वाले आलस व अनुशासन के लिए हम 5 मिनट रूल को अपना सकते हैं। इसके अनुसार कोई भी कार्य हमें केवल 5 मिनट के लिए शुरू करना है। धीरे – धीरे हम पाएंगे कि हमारा मन केवल शुरुआत करने में ही आलस महसूस कर रहा था।

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

इसी प्रकार राष्ट्र के स्तर पर भी हमें नए प्रयासों को बढ़ाने की आवश्यकता है। हमने खाद्य उत्पादन, ऊर्जा सुरक्षा गरीबी उन्मूलन में कई लक्ष्यों को हासिल कर लिया है। परन्तु विडंबना की बात है कि भुखमरी सूचकांक में हमारा स्थान जहाँ 111 वाँ है, वहीं कितने ही ऐसे दूरवर्ती क्षेत्र व गाँव हैं जहाँ हम बिजली नहीं पहुँचा पाए हैं।

इसलिए हमें अपने लक्ष्यों को विस्तारित करते हुए और आगे की शुरुआत करनी चाहिए जो हमें 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य तक पहुँचा सके। हमें खाद्य सुरक्षा के साथ अब

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उस खाद्य का प्रभावी वितरण भी सुनिश्चित करना होगा। साथ में यह भी कि पौष्टिक युक्त खाना लोगों को मिले ताकि "प्रच्छन्न भूखमरी" से छुटकारा मिले और हम अपने जनसांख्यिकी लाभांश का लाभ उठा सकें।

इसी प्रकार सौभाग्य योजना से दूरवर्ती क्षेत्रों, गांवों में बिजली आपूर्ति। PM हर घर जल मिशन से स्वच्छ पेयजल के साथ - साथ नई शिक्षा नीति से छात्रों के विकास पर भी ध्यान देना होगा। हमारे पास योजनाएं है, पैसा है, परंतु अगर हम योजना के क्रियान्वयन पक्ष को भी दुरुस्त कर लेते हैं तो

Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये। (Candidate must not write on this margin)

2047 तक विकसित राष्ट्र का लक्ष्य, 5 ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था, या सतत विकास लक्ष्यों में उन्नत प्रदर्शन जैसे सभी लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। अतः एक जिम्मेदार नागरिक होने के नाते हमें अपनी कड़ी मेहनत से राष्ट्र को गौरवपथ पर अग्रसर करने में योगदान देना चाहिए।

"वसुधा का नेता कौन हुआ, भूखंड विजेता कौन हुआ,
असंतुलित पथ जेता कौन हुआ,
जिसने न कभी आराम किया, विघ्नों में रहकर काम किया।"

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com
Copyright – Drishti The Vision Foundation

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

Remarks for Essay-2

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

Copyright – Drishti The Vision Foundation

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

बक्सा का विजेता कौन हुआ   युद्ध विजेता कौन हुआ
~~असन्तु~~ असन्तुलित पक्षकार कौन हुआ
जिसने न कभी आराम किया, बच्चों में रहकर काम किया।

Copyright – Drishti The Vision Foundation

दृष्टि The Vision

SPACE FOR ROUGH WORK

उम्मीदवार को इस हाशिये में नहीं लिखना चाहिये।
(Candidate must not write on this margin)

[illegible]

त्रासदी की पराकाष्ठा बुरे लोगों द्वारा किया गया अत्याचार एवं क्रूरता नहीं है, बल्कि अच्छे लोगों द्वारा इस प्रकार के कृत्यों पर मौन रहना है

भगतसिंह — समाज में बुराई क्यों बढ़ रही ✓

लोग ऐसा करते ही क्यों हैं?

भय ✓ — भय की पराकाष्ठा विवेकानंद

[illegible] — कानून व्यवस्था [illegible] की चर्चा भी इसमें पड़ना नहीं चाहता ✓

इसकी प्रभाव —
- समाज
- पारिवारिक
- राजनीति ✓
- राष्ट्र ✓
- वैश्विक war — दुनिया की [illegible]

but यह समझना चाहिए पड़ोस की आग कभी भी किसी का भी स्वाहा कर सकती है।

मार्टिन लूथर किंग — दुखी की पीड़ा नहीं बल्कि लोगों की चुप्पी का पीड़ा है।

अच्छे लोगों ने आवाज उठाई & सकारात्मक किया

समाज प्रभाव —
- समाज एवं धर्मसुधार आंदोलन
- आजादी
- पर्यावरण आंदोलन
- शांतिदूत नेल्सन मंडेला
- मलाला यूसुफजई ✓

आवाज उठाने में समस्या है परंतु

drishti
641, 1st Floor, Dr. Mukherjee Nagar, Delhi | 21, Pusa Road, Karol Bagh, New Delhi | 13/15 Tashkent Marg, Civil Lines, Prayagraj | 47/CC, Burlington Arcade Mall, Vidhan Sabha Marg, Lucknow | Plot No. 45& 45A, Harsh Tower-2, Main Tonk Road, Vasundhara Colony, Jaipur | 12, Main AB Road, Bhawar Kuan, Indore, Madhya Pradesh
Phone: 8750187501 :: e-mail: care@groupdrishti.in :: Website: www.drishtiIAS.com

[illegible] भी एक आलोचना ✓

Copyright – Drishti The Vision Foundation